Girls' High School and
College, Prayagraj.
Work Sheet – 2
Session –(2020–21)
Class – 3 (A–F)
Subject – Hindi Literature
Topic – पाठ–१ गंगा (कविता)

निर्देश– कृपया अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि बच्चे कविता को अच्छी तरह पढ़ें, तदुपरान्त नीचे दिए गए शब्द-अर्थ व प्रश्न-उत्तर को याद करें। वर्कशीट संभाल कर रखें।

पाठ–१ गंगा

मैं हूँ गंगा, मुझे धरा पर
भगीरथ ये लाए।
रही जटाओं में मैं शिव की,
बन प्राणों से प्यारी।
आई भारत की धरती पर
हर्षाने नर-नारी।
मिला प्यार हर भारतीय का,
माँ कह सदा बुलाए।
मैं हूँ.....

मेरा जल जो भी पी लेता,
हो नीरोगी काया।
जो भी मेरे घाट आ गया,
मैंने प्यार लुटाया।
एक नदी हूँ मैं तो ऐसी
जो पवित्र कहलाए।
मैं हूँ.....

कभी न सूखी रहती,
मैंने ऐसी खूबी पायी।
निर्मलता की पूँजी लेकर
छवि हो गई सवाई।
मुझमें रखे आस्था जो भी
अमृत-सा फल पाए।
मैं हूँ.....

Scanned with CamScanner

शब्द	अर्थ
धरा	धरती
जटा	केश
हर्षाने	सुख देने
नीरोगी	जिसे कोई रोग न हो
काया	शरीर
घाट	नदी के किनारे, धोने का स्थान
निर्मलता	स्वच्छता
छवि	रूप
आस्था	विश्वास

अति लघु प्रश्न-उत्तर –

प्र०1 इस कविता का नाम क्या है?

उ० गंगा

प्र०2 गंगा को धरा पर कौन लाए?

उ० भगीरथ

प्र०3 गंगा किसको प्राणों से प्यारी है?

उ० शिव जी को

प्र०4 हम गंगा को क्या कहकर पुकारते हैं?

उ० माँ

लघु प्रश्न-उत्तर –

प्र०1 गंगा किसकी जटा में रहीं?

उ० गंगा शिव जी की जटा में रहीं।

प्र०2 गंगा का जल पीने से क्या होता है?

उ० गंगा का जल पीने से काया नीरोगी होती है।

प्र०3 गंगा की क्या विशेषता है?

उ० गंगा एक पवित्र नदी है, जो कभी सूखी नहीं रहती है।

प्र०4 गंगा में आस्था रखने वालों को क्या मिलता है?

उ० गंगा में आस्था रखने वालों को अमृत सा फल मिलता है।

END

Scanned with CamScanner